

*Movement*

MR. DEPUTY-SPEAKER : Now, Shrimati Jayaben Shah. I would request hon. Members to co-operate. The hon. lady Member will be the last to make submissions on this.

श्री अर्जुन सिंह मदीरिया (इटावा) : मैं पचास बार खड़ा हो चुका हूँ। आप मुझ को मौका ही नहीं देते। मैं भी आप से कहना चाहता हूँ कि चर्चा का मौका मिलना चाहिए।

MR. DEPUTY-SPEAKER : The hon. Member's party has already made its submissions.

15 hrs.

श्रीमती जयाबेन शाह (अमरेली) : हाउस में जिस विषय पर चर्चा चल रही है उसके बारे में मेरा विचार यह है कि उस पर डिबेट होनी चाहिये। हमारे सामने मसला यह है कि लैंडलैस जो हैं उनके बारे में क्या किया जाए—लेकिन हम लोग जो प्रोसीजर में अटका रखने वाले हैं कांस्टीट्यूशन को मानने वाले हैं पूरी सहानुभूति लैंडलैस लेबरजं के साथ होते हुए जो मूवमेंट चल रही है उसका साथ नहीं दे सकते हैं—यह जो मूवमेंट चलाई जा रही है यह लैंडलैस के लिए नहीं है बल्कि एक स्टैंट मात्र हैं—मैं गवर्नमेंट को भी कहना चाहती हूँ कि लोग ज्यादा देर तक इंतजार नहीं कर सकते हैं—लोग बहुत इम्पैशेंट हैं यह भी एक सही बात है—लेकिन इस में सेंट्रल गवर्नमेंट की भी जिम्मेवारी है। जिन स्टेट्स में उसकी हकूमत है वहाँ तो भूमि भूमिहीनो में बांटी जानी चाहिये ..

SHRI SAMAR GUHA : They have been sleeping like Kumbhakarna for the last 23 years.

श्रीमती जयाबेन शाह : जहाँ तक गुजरात का सम्बन्ध है वहाँ हमने इस काम को खत्म कर दिया है—अगर सरकार लोगों को जमीन नहीं देती है तो और भी ज्यादा लोग कम्युनिस्टों के तरीके की अस्तित्व करके आगे बढ़ेंगे इस वास्ते जल्दी से आप भूमि सुधार लागू करें और

मशीनरी बनाए जो भूमि बांटने की व्यवस्था करे।

SOME HON. MEMBERS rose—

MR. DEPUTY-SPEAKER : No more submission. This is becoming a discussion. The point has been made that members would like this to be discussed. I think prof. Mukerjee right at the beginning had said that some members had given notice of an adjournment motion or some other form of discussion. Members cannot expect me to take a decision here. I shall convey all this to the Speaker.

श्री शिव चन्द्र भ्वा : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है। आम तौर पर प्रोसीजर यह रहा है कि एडजर्नमेंट मोशन का फैसला कालिग स्टेशन मोशन के बाद हो जाता है। लेकिन मैं कुछ दिनों से देख रहा हूँ कि स्पीकर साहब फैसला ही नहीं करते हैं। मैंने एडजर्नमेंट मोशन दिया था। चूँकि उस पर फैसला नहीं हुआ इस वास्ते हम को हल्ला करने का तरीका अस्तित्व करना पड़ता है। आप व्यवस्था दें कि एडजर्नमेंट मोशन जब कभी आए तो कालिग एटेंशन के बाद उसका फैसला हो जाया करे। यह विषय बहुत महत्वपूर्ण है।

MR. DEPUTY-SPEAKER : He has raised a point of order as to why no decision was taken. I have to convey to him that the Speaker had considered the adjournment motion and has not found it possible to admit it. Despite that, members have expressed themselves very strongly on this. This shall be conveyed to the Speaker.

15.03 hrs.

## STATEMENT RE. PRICE OF DRUGS

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS (DR. TRIGUNA SEN) : I was to make a statement on prices of drugs, but the statement in all its details comprises 9 pages. I do not like to take the time of the House by reading it

[Dr. Triguna Sen]

thorough. If you allow me, I shall lay it on the Table. Members may kindly go through it and, if possible, you may allow time when I will be ready to clarify any points raised.

**श्री जार्ज फरनेंडीज (बम्बई दक्षिण) :** मंत्री महोदय ने अभी बयान दिया है। हम चाहते हैं कि इस मसले पर जरूर बहस हो। लेकिन मैं आपको बनलाना चाहता हूँ कि जब से सेंटर ने प्राइस कंट्रोल करने वाली बात की है तब से हर चीज के दाम कुछ इन्फ्लेशन को छोड़ कर, दुगने हो गए हैं।

**MR. DEPUTY-SPEAKER :** Since the statement runs into nine pages, I request the hon. Minister to lay it on the Table of the House. Hon. Members will go through it. Many points will definitely arise and if they give notice under rule 184 that will be considered.

**श्री जार्ज फरनेंडीज :** आप बहस जरूर चलेंगे। लेकिन इस बीच मैं मंत्री महोदय का ध्यान एक दूसरी चीज की तरफ दिलाना चाहता हूँ। क्या आपका और दवाई तैयार करने वाले कारखानों का कोई सौदा हो गया है? फरवरी में जिस के दाम 1 रुपया 74 पैसे थे वे आज 2 रुपये 96 पैसे हो गए हैं। दामों पर तत्काल नियंत्रण हो। सत्तर लाख रुपया बम्बई के दवा कारखानों से इनके द्वारा लिया गया है -

**SHRI K. LAKKAPPA (Tumkur) :** Rural people are not able to buy medicines.

**SHRI GEORGE FERNANDES :** Prices have doubled in the last 3 months.

**MR. DEPUTY-SPEAKER :** I do not see where the controversy is. The Minister says he is prepared for a discussion. I am also saying that if you give notice under 184, it will be considered.

**DR. TRIGUNA SEN :** I lay the Statement on the Table of the House. [ *Placed in Library. See No. LT—3926/70* ]

**श्री जार्ज फरनेंडीज :** मैं सूची ले कर आया हूँ। प्राइसिंस डबल हो गई हैं। आप क्या कर रहे हैं। तत्काल क्यों रोक नहीं लगाते हैं। हम तत्काल दामों पर नियंत्रण चाहते हैं। आपके और हमारे कहने में इतना ही अंतर है कि हम चाहते हैं कि तत्काल दामों पर नियंत्रण लगे जबकि आप बाद में बहस कराना चाहते हैं। जो दाम निचले तीन महीने में बढ़े हैं उनको तत्काल आप किसी तरह से नीचे लाने की कोशिश करें। बम्बई में खुलेआम कहा जा रहा है कि सत्तर लाख रुपया दवाओं के कारखानेदारों से काग्रस पार्टी ने लिया है और उसकी बजह से ये सारे दाम बढ़े हैं।

**SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI (Bhubaneswar) :** I agree with you, Sir, that this can be discussed later. But here is a definite charge which Mr. Fernandes is making that Rs. 70 lakhs had been paid. The hon. Minister should be allowed to explain the position and say that it was a wrong charge.

**श्री प्रकाश वीर शास्त्री (हापुड़) :** मैं एक व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय ने यह व्यवस्था दी हुई है कि कोई भी नीति सम्बन्धी वक्तव्य जब कभी भी सरकार यहां दे तो अगर उससे पहले कालिग एटेंशन किसी सदस्य की ओर से आ जाए तो कालिग एटेंशन को स्वीकार किया जाए और अगर कालिग एटेंशन के पहले सरकार की ओर से आपके कार्यालय में सूचना आ जाए तो सरकार अपनी ओर से वक्तव्य दे दे। हम तीन दिन पहले से इस विषय पर कालिग एटेंशन देते आ रहे हैं। तपेदिक के मरीजों के लिए जो दवाइयां हैं उनकी कीमतें भी 88 परसेंट बढ़ गई हैं। अब आप प्रश्न पूछने की अनुमति नहीं देंगे तो कैसे काम चलेगा। आप बताएं कि आपके कार्यालय में कालिग एटेंशन पहले आया था या सरकार की सूचना पहले आई थी?

MR. DEPUTY-SPEAKER : I am not saying that I am not allowing. The Minister himself is prepared to answer questions. If any Member gives notice under rule 184 that he wants a discussion it will be considered.

श्री प्रकाश चौर शास्त्री : वह भी हमने दे रखा है ।

MR. DEPUTY-SPEAKER : It does not matter; it will be considered.

DR. TRIGUNA SEN : My friend has raised a point—

SHRI H. N. MUKERJEE (Calcutta-North East) : Sir, if you do not mind my submitting certain points, at the moment, certain things have been said to which the Minister must give an immediate reply, because the matter is on record.

DR. TRIGUNA SEN : Firstly, I made a statement which you had permitted me to lay on the Table of the House which I have done. Since it consists of nine pages, I requested Members first to read it. Many charges have been made; that Rs. 70 lakhs have been received by the Congress from somebody. I repudiate this, because if the hon. Member goes through the statement, he will see, hardly could they have made Rs. 70 lakhs in one or two months to pay to anybody? I repudiate this charge. (Interruption).

SHRI GEORGE FERNANDES : I repeat the charge.

SHRI H. N. MUKERJEE : A charge has been made, and on the basis of facts, 75 per cent or more increase has taken place. Would the Minister give an interim reply pending whatever discussion. We might have later, because we want to know the position, As it has been raised in the House it has got to be answered.

SHRI GEORGE FERNANDES : I lay it on the Table of the House. (Interruption)

MR. DEPUTY-SPEAKER : The only allegation made here against the Government is that so much money has been taken

because of this, and the Minister has repudiated all that. It is on record. Let us close the matter there. When you get the opportunity to discuss it, you may kindly bring out all these things. You have the freedom to do it.

श्री जार्ज फरनेन्डीज : उपाध्यक्ष महोदय, अगर आप की इजाजत हो, तो मैं इन प्राइस लिस्ट्स को सदन के टेबल पर रख देता हूँ। मैं यह जानना चाहता हूँ कि जो वाम वहाँ हैं उनको घटाने के लिए सरकार की तरफ से क्या किया जा रहा है— मैं आप के सुझाव रख रहा हूँ— एक दवा की कीमत फरवरी, 1970 में 1-74 थी, अगस्त में वह 2 96 हो गई। दूसरी की फरवरी में कीमत 1-56 थी, लेकिन अगस्त में 3-07 हो गई। कोमते दुग्नी तिगुनी हो गई हैं।

SHRI K. LAKKAPPA : Even the prices of contraceptives have gone up. Your family planning programme will suffer. (Interruption)

MR. DEPUTY-SPEAKER : If this goes on, I will have to order that nothing will go on record. We have had enough of it. Let us proceed to the next item.

15.13 hrs.

MOTIONS RE. REPORTS OF COMMISSIONER FOR SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES AND COMMITTEE ON UNTOUCHABILITY

श्री स० मो० बनर्जी (कानपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, इस रिपोर्ट पर बोलते हुए तमाम दलों के मित्रों ने एक बात यह साबित करने की कोशिश की है कि सिड्यूल्ड कास्ट्स, सिड्यूल्ड ट्राइब्स और बैकवर्ड क्लासिज की हालत जितनी सुधरनी चाहिए थी, बा इस साल के बाद भी वह नहीं सुधरी है और उस की जिम्मेदारी इस सरकार पर है। मैं खुद जानता हूँ कि रिज्यूटमेंट, ट्रांसफर और प्रमोशन के बारे में सरकार